देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित | www.page3news.in | नगर संस्करण वर्ष 14 अंक: 229 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह... सुनें ग्रेटा थनबर्ग की आवाज

पेज थ्री

देहरादून, शनिवार, 19 अक्टूबर 2019

PAGE 3 PUBLICATION

मौसम अधिकतम 28.0° न्यूनतम 17.0°

39052.06 | 2 इमरान खान ने भारत की निंदा की | 7 हॉकी टीम की अगुआई करेंगे मनप्रीत

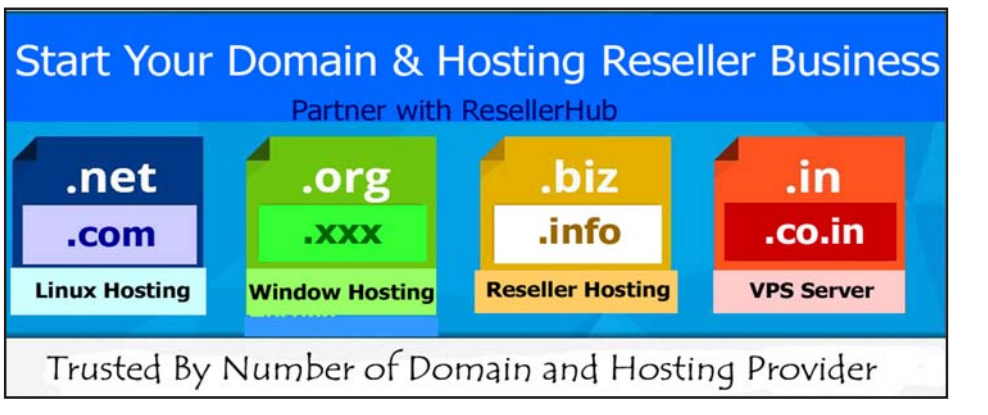

सरकार का चेहरा चमकाने को

खजाना लूटा रहे हाकिम!

प्रमुख संवाददाता

देहरादून। उत्तराखण्ड पर भले ही हजारों करोड़ रुपए का कर्ज हो रखा हो लेकिन हाकिम अपनी सरकार का चेहरा चमकाने के लिए दोनों हाथों से राज्य की जनता की गाढ़ी कमाई का खजाना लूटा रहे है? हैरानी वाली बात तो यह है कि धरातल पर भले ही सरकार विकास कार्यों में अब तक फिस्डी साबित हो चुकी हो लेकिन समाचार पत्रों व टीवी चैनलों में सरकार के हाकिम अपनी सरकार का गुणगान करने के लिए करोड़ों रुपए पानी की तरह ऐसे बहा रहे मानो उत्तराखण्ड सोने की खान हो? सरकार के हाकिम के राज में न तो भ्रष्टाचार, घोटाले, रिश्वतखोरी, अवैध खनन व शराब तस्करी रूक पाई लेकिन फिर भी सरकार किस बात को लेकर अपना चेहरा चमकाने में जुटी हुई है यह हैरान करने वाली बात है? 19 साल के इतिहास में पहली बार ऐसा देखने को मिला कि कोई मुख्यमंत्री अपनी कार्यशैली को लेकर आवाम के निशाने पर है और सोशल मीडिया पर जिस तरह से उनपर उंगलियां उठ रही है वह उस डबल इंजन को कटघरे में खड़ा कर रहा है जिसके निर्माण के लिए देश के प्रधानमंत्री ने आहवान किया था? वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव से पूर्व देश के प्रधानमंत्री ने उत्तराखण्ड की जनता से आग्रह किया था कि वह भाजपा का प्रचंड बहुमत दें ताकि डबल इंजन की सरकार प्रदेश के विकास को उंचाईयों तक पंहुचा सके लेकिन पिछले ढाई साल से राज्य में कितना विकास हो पाया इसका अंदाजा धरातल पर तो कम लेकिन समाचार पत्रों और टीवी चैनलों में ज्यादा दिख रहा है? टैक्स के रूप में ली जा रही जनता की गाढ़ी कमाई को जिस तरह से सरकार अपना चेहरा चमकाने के रूप में इस्तेमाल करने का काम कर रही है वह संभवतः अभी देश के प्रधानमंत्री की नजर में नहीं आया होगा लेकिन इतना जरूर है कि जिस दिन उन्होंने इस पर अपनी नजरें टेढ़ी की तो फिर यह तय है कि सरकार के बुरे दिनों का काउंटडाउन उसी दिन से शुरू हो जाएगा?

उल्लेखनीय है कि ढाई साल पूर्व जब राज्य में प्रचंड बहुमत वाली डबल इंजन सरकार का गठन हुआ था तो उस समय उत्तराखण्ड की जनता में एक आस जगी थी कि यह सरकार पहाड़ी राज्य को विकास की ऊंचाईयों तक पंहुचाएगी क्योंकि इस सरकार की मॉनिट्रिंग करने का वादा खुद देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तराखण्ड की जनता से किया था। डबल इंजन सरकार के मुखिया त्रिवेन्द्र सिंह रावत ने सत्ता संभालने के बाद कई सारे बड़े बड़े दावे किए थे और उस समय उनके दावों से ऐसा प्रतीत हो रहा था कि अब इस राज्य के विकास को कोई रोक नहीं सकता लेकिन ढाई साल बीत जाने के बाद भी ऐसा कुछ नजर आया हो यह दिखाई नहीं देता? राज्य में सड़कों हाल कितना बुरा है यह किसी से छिपा नहीं है, पहाड़ तो पहाड़ यहां तो शहर तक में उच्च स्वास्थ्य सुविधाएं आसानी से उपलब्ध नहीं हो पा रही है? मौजूदा समय में राज्य के अंदर डेंगू के मरीजों का आंकड़ा तेजी के साथ बढ़ रहा है और तो और मौसम में हो रहे बदलाव के साथ अब राज्य में स्वाइन फ्लू ने भी दस्तक दे दी है। कितनी हैरानी वाली बात है कि एक तरफतो राज्य में डेंगू का प्रकोप अपने पैर पसारे हुए है है वहीं दूसरी तरफइस प्रकोप के लिए सरकार के मुखिया का कहना है कि मीडिया ने ही डेंगू को भोकाल बना रखा जबकि ऐसा कुछ नही है, डेंगू ने किसी महामारी का रूप नहीं लिया? अब सवाल यह उठता है कि क्या डेंगू से सरकारी अस्पताल में मरने वाले व्यक्ति को ही सरकार मरीज मानेगी और जिसकी मौत प्राइवेट में हुई है उसे नहीं? सरकारी अस्पतालों की दशा किसी छिपी नहीं है और यहीं कारण है कि लोग अपने जीवन को बचाने के लिए प्राइवेट अस्पतालों की ओर रूख कर रहे राज्य की जनता को स्वास्थ्य सुविधा देने में नाकाम साबित हो रही सरकार के मुखिया जिस प्रकार से बयानवीर बनकर अपनी सरकार का बचाव कर रहे है वह उनके लिए ही घातक साबित हो सकता है? वहीं अब सरकार ने अपना चेहरा चमकाने के लिए एक परंपरागत फंडा अपना लिया है, जिसका नाम है विज्ञापन? सरकार अपनी कागजी उपलब्धियों को विज्ञापन के माध्यम से प्रदेश से लेकर समूच देश में यह संदेश देने की कोशिश में जुटी हुई है कि उसके कार्यकाल में उत्तराखण्ड कितनी बुलंदियों तक पंहुच गया है? हालांकि धरातल पर इन उपलब्धियां में कितनी हकीकत है इससे प्रदेश बाहर के लोग इतने वाकिफनहीं है? सवाल उठता है कि हजारों करोड़ रुपए के कर्जे में डूबी सरकार इन विज्ञापनों पर इतना पैसा क्यों लूटा रही है? विभिन्न टैक्सों के रूप में जनता से ली जा रही उनकी गाढ़ी कमाई को सरकार अपना चेहरा चमकाने के लिए क्यों इस्तेमाल कर रही है? देश के प्रधानमंत्री के आहवान पर राज्य में डबल इंजन की सरकार को सत्ता सौंपने वाली जनता अब उससे यही सवाल पूछ रही है कि आखिर उन वादों का क्या हुआ जो हाकिम ने आवाम के साथ किए थे? यहां यह कहना भी गलत नहीं होगा कि चंद समाचार पत्रों व न्यूज चैनलों में महंगे विज्ञापन प्रकाशित करवाने से हकीकत को छिपाया नहीं जा सकता?

मोर्चा बोला, सीएम त्रिवेंद्र ने प्रदेश को बना डाला

बदमाशों-माफियाओं का बिजनेस हब

खनन-शराब माफियाओं की प्रदेश में हो चुकी है आमद

संवाददाता

विकासनगर। उत्तराखण्ड सरकार के मुखिया को जन संघर्ष मोर्चा ने पिछले लंबे समय से कटघरे में खड़ा कर रखा है। मोर्चा सरकार की जनविरोधियों के खिलाफहमेशा ही आवाज उठाता आया है और समय समय वह सबूतों के साथ सरकार की धज्जियों उड़ाता हुआ भी नजर आता रहा है? अब मोर्चा ने आरोप लगाया है कि सरकार के मुखिया ने प्रदेश को बदमाशों, माफ्याओं, डकैतों का बिजनेस हब बना दिया है और शराब व खनन माफ्याओं की तो प्रदेश में पहले से ही आमद हो चुकी है?

मोर्चा कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि सूबे के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत, जिनके पास गृह विभाग का जिम्मा भी है, ने अपनी अनुभव हीनता एवं माफ्या छवि के चलते प्रदेश में जंगलराज कायम कर दिया है। नेगी ने कहा कि कितने शर्म की बात है कि एक मुख्यमंत्री, जिनके पास स्वयं गृह विभाग का जिम्मा हो और उनके राज में दिनदहाड़े डकैती/मर्डर/लूट/मर्डर का प्रयास ध्चोरियांध् बलात्कार हो रहे हो, वो मुखिया, एक जुए में हारे हुए व्यक्ति जैसा आचरण करे, तो प्रदेश की जनता का क्या हाल होगा, सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है! नेगी ने कहा कि प्रदेश में अराजक तत्वों की आमद का मुख्य कारण मुखिया की छवि है, जिन्होंने अपने फायदे के चक्कर में प्रदेश को माफ्याओं के हाथों बेच डाला है तथा माफ्याओं ने प्रदेश पर कब्जा कर लिया है। नेगी ने कहा कि हर मोर्चे पर विफल सरकार ने बरसात सीजन समाप्त होने के बाद भी विधिवत खनन कार्य शुरू नहीं किया, क्योंकि अन्य प्रदेशों के माफ्याओं का रेता- बजरी जो बिकवाना है प्रदेश में! पत्रकार वार्ता में - मोर्चा महासचिव आकाश पंवार, प्रवीण शर्मा पित्री, भीम सिंह बिष्ट, सुशील भारद्वाज आदि थे।